प्रेरणा

बदला लेने की नहीं बदलाव लाने की सोच रखिए..!

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 30 AUGUST TO 05 SEPTEMBER 2024 • VOLUME 06 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

पंजाब पंचायत चुनाव नियम 1994 के नियम 12 में संशोधन को मंजूरी

उम्मीदवारों को राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्नों पर पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने के उद्देश्य से उठाया कदम

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब कैबिनेट ने गुरुवार को पंजाब पंचायत चुनाव नियम, 1994 के नियम 12 में संशोधन को मंजूरी दे दी। इससे अब उम्मीदवार पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्नों पर नहीं लड़ सकेंगे। इस संबंधी निर्णय पंजाब सिविल सचिवालय-1 में मुख्यमंत्री कार्यालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि कैबिनेट का तर्क था कि पार्टियों के चुनाव चिह्नों पर चुनाव लड़ने से अप्रिय घटनाएं होती हैं। इससे पंचायतों में राजनीतिक गुटबाजी बढ़ती है, जिससे फंड व ग्रांटे बिना प्रयोग के रह जाती है। राजनीतिक गुटबाजी से पंचायतों में विवाद उत्पन्न होते हैं, जिससे कोरम अधूरा रह जाता है और ग्रांटे बिना प्रयोग के चली जाती है।

घग्गर दरिया के साथ छप्पड़ों के निर्माण की मंजूरी : पृथ्वी के नीचे पानी के स्तर को बढ़ाने के लिए कैबिनेट ने गांव चंदो में घग्गर दरिया के साथ छप्पड़ों के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। इन छप्पड़ों को बाढ़ के दौरान घग्गर दरिया के पानी से भरा जा सकेगा और सामान्य दिनों में इस पानी का तार्किक उपयोग किया जा सकेगा। इससे भूजल स्तर में वृद्धि होगी और आसपास के किसानों को सिंचाई की जरूरतों के लिए पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

सत्र डिवीजन मलेरकोटला में 36 नए पदों के सृजन की मंजूरी : कैबिनेट ने सत्र डिवीजन, मलेरकोटला की स्थापना की भी मंजूरी दे दी है, जिससे सत्र डिवीजन, मलेरकोटला के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद समेत 36 नए पद सृजित किए जाएंगे। इससे मलेरकोटला के निवासियों को अपने जिले में ही न्याय प्राप्त करना सुनिश्चित होगा। इससे आम आदमी के कीमती समय, पैसे और ऊर्जा की बचत होगी और उन्हें इस उद्देश्य के लिए अन्य जिलों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।

ड्यूटी के दौरान मारे गए डीएसपी की पत्नी को नौकरी देने का फैसला : मानवीय सरोकारों को ध्यान में रखते हुए लिए गए फैसले में, पंजाब कैबिनेट ने ड्यूटी के दौरान मारे गए डी.एस.पी. की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मंजूरी दे दी है। इस फैसले के तहत, दिवंगत डी.एस.पी. संदीप सिंह की पत्नी रुपिंदर कौर को अनुकंपा के आधार पर नायब तहसीलदार नियुक्त किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पी.पी.एस. अधिकारी संदीप सिंह की चुनाव ड्यूटी करते हुए 5 और 6 अप्रैल 2024 की मध्यरात्रि को एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

तीन कैदियों की अग्रिम रिहाई को हरी झंडी : मंत्रिमंडल ने पंजाब की जेलों में उम्रकैद की सजा काट रहे तीन कैदियों की अग्रिम रिहाई को भी मंजूरी दे दी है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत कैबिनेट की मंजूरी के बाद यह विशेष रिहाई के मामले अब भारतीय संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत विचार के लिए पंजाब के राज्यपाल को भेजे जाएंगे।

हाउस सर्जनों/हाउस फिजीशियनों की सेवा अवधि एक वर्ष बढ़ाई गई : कैबिनेट ने हाउस सर्जनों/हाउस फिजीशियनों की सेवाओं को बढ़ाने के संबंध में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की नीति में एक वर्ष की वृद्धि की है। इसका उद्देश्य राज्य के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण और सुचारू स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है।

ऑडिट रिपोर्टों को विधानसभा में पेश करने की मंजूरी : कैबिनेट ने राज्यपाल की सिफारिश पर कंपट्रोलर व ऑडिटर जनरल, भारत सरकार की ऑडिट रिपोर्टों को पंजाब विधानसभा के आगामी सत्र के दौरान सदन में पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी है।

पंजाब कैबिनेट मीटिंग में लिए गए महत्वपूर्ण फैसले

पीसीएस अधिकारियों के कैडर की क्षमता बढ़ाने का निर्णय

नौजवानों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने और प्रशासनिक कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से पंजाब कैबिनेट ने आज पंजाब सिविल सर्विसेज (कार्यकारी शाखा) कैडर की मौजूदा क्षमता 310 से बढ़ाकर 369 पद करने की सहमति दी। यह निर्णय नए जिलों और नए उप-मंडलों के गठन और प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उल्लेखनीय है कि यह समीक्षा आठ साल बाद की गई है और इसके साथ ही पंजाब सिविल सचिवालय में संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री के फील्ड अधिकारियों (पहले ए.सी. शिकायतें), उप-मंडल मजिस्ट्रेट, ई.एम.-कम-प्रोटोकॉल अधिकारी, ए.डी.सी. (यू.डी.), निदेशकों, फील्ड में मिशन निदेशकों और अन्य पदों की संख्या बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अधिनियम, 2017 में संशोधन को मंजूरी

करदाताओं को सुविधा देने और कर अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कैबिनेट ने इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटरों और क्रेडिट के वितरण को परिभाषित करने के लिए 'पंजाब गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अधिनियम, 2017' में संशोधन की मंजूरी दे दी। इस फैसले से मानव उपभोग के लिए एल्कोहलिक लिकर के उत्पादन में अतिरिक्त नेचुरल अल्कोहल का उपयोग राज्य जी.एस.टी. के दायरे से बाहर हो जाएगा। इसके अलावा तलब किए गए व्यक्ति के स्थान पर उसका कोई अधिकृत प्रतिनिधि सक्षम प्राधिकारी के समक्ष पेश हो सकेगा और वित्तीय वर्ष 2024-25 की मांगों के समक्ष डिमांड नोटिस और आदेश जारी करने के लिए समय सीमा घटाकर 42 महीने हो जाएगी। इसका उद्दे अपील अथॉरिटी के सामने अपील दर्ज करने के लिए अग्रिम राशि के अधिकतम सीमा को 25 करोड़ से कम कर 20 करोड़ रुपए करना है ताकि वित्तिय वर्ष 2017-18, 2018-19 व 2019-20 के लिए इस अधिनियम की धारा 73 के अंतर्गत जारी डिमांड नोटिसों के कारण लगे जुर्माने व ब्याज की शर्त सहित माफी मिल सके। इससे पी.जी.एस.टी अधिनियम की धारा 168ए पिछले समय 31 मार्च 2020 से प्रभावी बनेगी।

स्पीकर संधवा ने धुस्सी बांध की मरम्मत के लिए दिए 10 लाख रुपये

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने सतलुज नदी पर स्थित धुस्सी बांध की मरम्मत के लिए 10 लाख रुपये की राशि दी है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि ज़िला जालंधर के गांव गट्टा मुंडी कासू में धुस्सी बांध की मरम्मत सांसद संत बलबीर सिंह सीचेवाल की देखरेख में करवाई जा रही है। पिछले साल जुलाई के महीने में इस स्थान पर लगभग 1000 फुट चौड़ी दरार पड़ गई थी, जिससे 30-35 गांवों के किसानों की फसलें और लोग प्रभावित हुए थे। उस समय संत सीचेवाल की देखरेख में संगतों ने कार सेवा करके इस बांध को पूरा किया था। वर्तमान स्थिति के अनुसार यह बांध कमजोर हो चुका था, जिसकी फिर से मरम्मत की आवश्यकता थी। अब फिर से संत सीचेवाल और संगतों द्वारा धुस्सी बांध और धक्का बस्ती में मिट्टी डालने का काम शुरू किया गया है ताकि 30-35 गांवों की फसलों का नुकसान होने से बचाया जा सके।

बलविंदर सिंह भूंदड़ बने शिअद के कार्यकारी अध्यक्ष

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल में चल रहे घमासान के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भूंदड़ को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने खुद पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल पर ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। दो बार राज्यसभा सदस्य रहे भूंदड़ शिरोमणि अकाली दल के महासचिव भी रहे हैं। शुक्रवार 30 अगस्त को श्री अकाल तख्त साहिब और पंज सिंह साहिब की बैठक होने जा रही है। उससे ठीक पहले सुखबीर सिंह बादल द्वारा लिए गए इस फैसले के पीछे कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

वहीं, पार्टी का बागी गुट अभी भी इस फैसले से खुश नहीं है। उनका कहना है कि बलविंदर सिंह भूंदड़ पार्टी अध्यक्ष सुखबीर बादल के बेहद करीबी हैं, इसलिए उन्हें सिर्फ मोहरा बनाया गया है।

श्री अकाल तख्त पर आज समागम : आज सुबह 11 बजे पंज सिंह साहिबानों की बैठक होनी है जिसमें सुखबीर सिंह बादल को लेकर बड़ा आदेश जारी हो सकता है। हालांकि, यह भी माना जा रहा है कि कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया जाएगा। जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह सिंह साहिबानों के साथ इस मुद्दे पर गहन चर्चा करेंगे, उसके बाद ही सुखबीर बादल को पेश होने के लिए कहा जा सकता है।

पंजाब पुलिस ने पाक-अधारित हथियार तस्करी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

4 ग्लॉक पिस्टल व हवाला राशि सहित दो गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/तरनतारन

तरनतारन पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान आधारित हथियार तस्करी मॉड्यूल के दो सदस्यों को तरनतारन के शेरों क्षेत्र से गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी गुरुवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने चार आधुनिक ग्लॉक-19 पिस्टल, जिनमें से एक पर 'मेड फॉर नाटो आर्मी' लिखा हुआ था, के साथ चार मैगज़ीन और सात जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके साथ ही 4.8 लाख रुपये की हवाला राशि भी बरामद की गई है। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस टीमों ने मारुति स्विफ्ट कार, जिसमें आरोपी जा रहे थे, को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी निवासी चप्पा राम सिंह, जंडियाला गुरु और लवप्रीत सिंह निवासी बासरके, खालरा के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी अपराधी पृष्ठभूमि वाले हैं और उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामले दर्ज हैं। एसएसपी तरनतारन गौरव तूरा ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि जांच के दौरान सामने आया है कि आरोपी हरप्रीत हैप्पी ने कई खेपों में हथियार अपराधी तत्वों तक पहुंचाए थे। उन्होंने आगे बताया कि मामले में पूछताछ की जा रही है। और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना हैं।

ईडी ने कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से जुड़ी करोड़ों की संपत्ति की जब्त

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और ईएमएएआर और एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड सहित अन्य आरोपियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 834 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। संपत्तियां गुरुग्राम और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित हैं। मामले में आरोप लगाया गया है कि ईएमएएआर-एमजीएफ ने हुडा और निदेशक डीटीसीपी त्रिलोक चंद गुप्ता की मिलीभगत से कम कीमत पर जमीन का अधिग्रहण किया, जिसके परिणामस्वरूप जनता और सरकार दोनों को काफी नुकसान हुआ।

ईडी ने कुल 401.65479 एकड़ की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न किया है, जिसका मूल्यांकन मेसर्स ईएमएएआर इंडिया लिमिटेड के लिए 501.13 करोड़ रुपये और मेसर्स एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड के लिए 332.69 करोड़ रुपये है। ये संपत्तियां हरियाणा के गुरुग्राम जिले और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित हैं। जांच गुड़गांव के सेक्टर 65 और 66 में एक प्लॉट कॉलोनी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर केंद्रित है, जिसमें दोनों कंपनियां शामिल हैं।

ईडी ने आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर एक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। एफआईआर में हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा, डीटीसीपी के तत्कालीन निदेशक त्रिलोक चंद गुप्ता और मेसर्स ईएमएएआर एमजीएफ लैंड लिमिटेड के साथ-साथ 14 अन्य कॉलोनाइजर कंपनियों का नाम शामिल है। यह मामला ज़मीन मालिकों, जनता और हरियाणा/हुडा राज्य को धोखा देने के आरोपों पर केंद्रित है। आरोपियों पर भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा 4 के तहत अधिसूचना जारी करने और अधिसूचना से पहले प्रचलित बाजार दरों की तुलना में काफी कम कीमतों पर भूमि अधिग्रहण करने के लिए अधिनियम की धारा 6 के तहत अधिसूचना जारी करने का आरोप है।

'खेडां वतन पंजाब दीयां' के तीसरे संस्करण का भव्य उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने संगरूर के वार हीरोज स्टेडियम में किया खेलों का उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** संगरूर

आज यहां स्थानीय वॉर हीरोज़ स्टेडियम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा देश के सबसे बड़े खेल मुकाबलों में से एक 'खेडां वतन पंजाब दियां' के तीसरे संस्करण का शानदार शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से भाग लेने वाली खेल टीमों के मार्च पास्ट की सलामी ली। लगभग दो महीनों से भी अधिक समय से बेसब्री से प्रतीक्षित इस शानदार खेल मेले का उद्घाटन करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह बहुत ही गर्व और संतोष की बात है कि आज हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर इस विशेष खेल मुकाबले की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस बार 37 खेलों की नौ आयु वर्गों में करीब 5 लाख खिलाड़ी पदक की दौड़ में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विजेताओं को 9 करोड़ रुपए से अधिक के नकद इनाम वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहली बार 'खेडां वतन पंजाब दियां' में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, और पावरलिफ्टिंग सहित पैरा खेलों को भी शामिल किया गया है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि पेरिस पैरालिंपिक्स में इन तीनों खेलों में पंजाब के पैरा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं।

इस मौके पर स्कूली बच्चों द्वारा दी गईं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और प्रमुख पंजाबी गायकों गुरदास मान, हरभजन शेरा, असमीत सिहरा, परी पंधेर, बसंत कौर, अरमान ढिल्लों व अन्य गायकों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। साथ ही बच्चों ने अपनी स्केटिंग और जिम्नास्टिक के शानदार प्रदर्शन से भी दर्शकों का मन मोह लिया। इससे पहले प्रसिद्ध खिलाड़ियों महां सिंह, मंदीप कौर, सुनीता रानी, अरजन सिंह चीमा, सुखमीत सिंह, विजयवीर सिंह, हर्षदीप कौर, महकप्रीत सिंह, सिमरनजीत सिंह व जसप्रीत सिंह आदि खिलाड़ियों ने खेल मशाल जलाई। प्रसिद्ध खिलाड़ी अभि जोशी खेल के ध्वजवाहक रहे।

सीएम सुक्खू ने कहा- नहीं लेंगे 2 महीने की सैलरी

शिमला. हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को राज्य विधानसभा को बताया कि सभी मंत्री, मुख्य संसदीय सचिव (सीपीएस) और कैबिनेट स्तर के सदस्य दो महीने तक वेतन नहीं लेंगे क्योंकि राज्य वित्तीय संकट से गुजर रहा है।

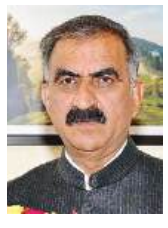

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट में चर्चा के बाद कैबिनेट के सभी सदस्यों ने निर्णय लिया कि जब तक आने वाले समय में राज्य में अच्छा सुधार नहीं होगा तब तक हम दो महीने तक न कोई वेतन लेंगे, न टीए, न डीए। उन्होंने कहा कि यह एक छोटी-सी राशि है, लेकिन प्रतीकात्मक है। इसके अलावा मैं सभी विधायकों से भी इस संबंध में योगदान देने का अनुरोध करता हूं।

खुल गया राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान, जानिए कैसे जाएं और टाइमिंग

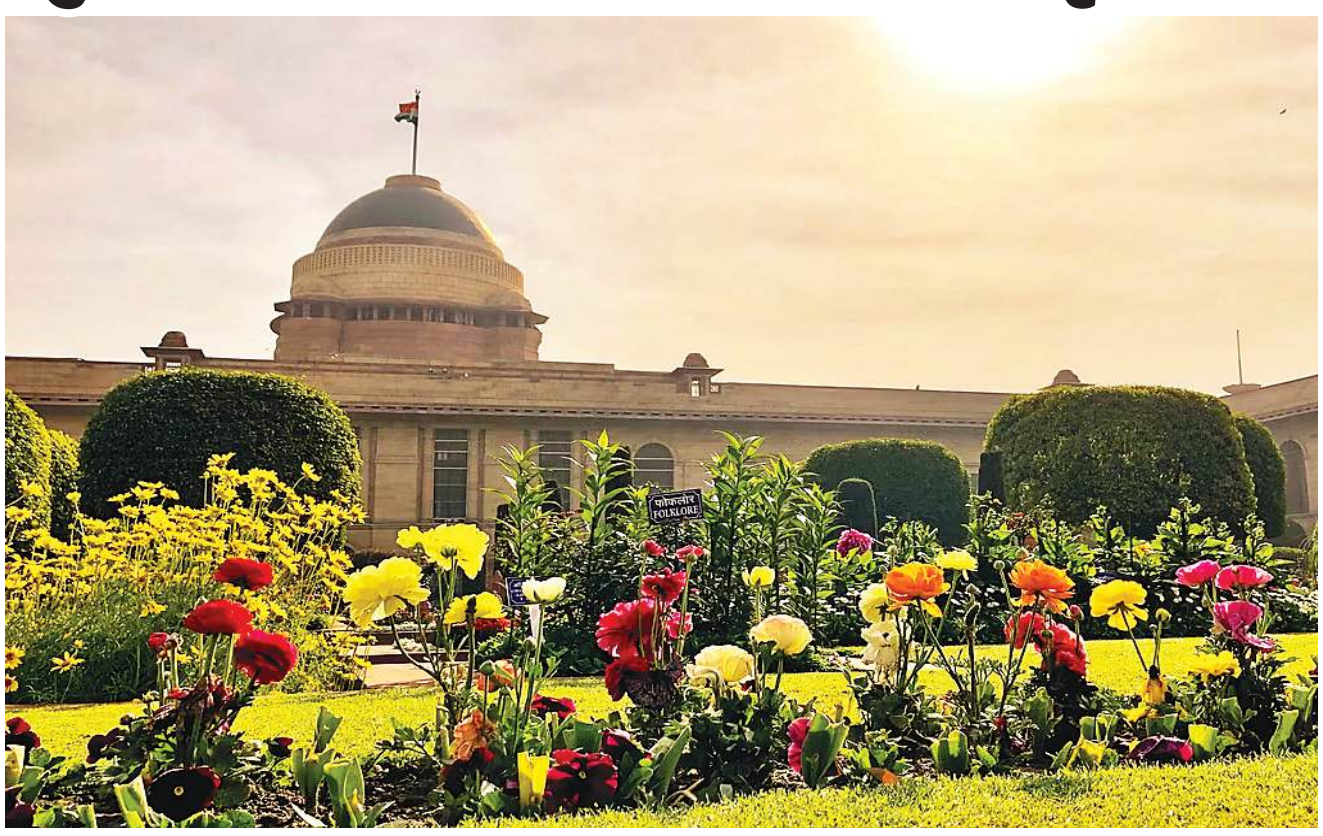

TRAVELLING

राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित अमृत उद्यान एक बार फिर लोगों के लिए खुल गया है। यहां स्टोन एबेकस, साउंड पाइप और म्यूजिक वाल जैसी आकर्षण की जगहें हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

अमृत उद्यान को पहले मुगल गार्डन के नाम से जाना जाता था। ये जगह राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित है। अमृत उद्यान साल में दो बार खुलता है। ऐसे में मॉनसून सीजन के लिए ये खुल चुका है। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, अमृत उद्यान 16 अगस्त से 15 सितंबर तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा।

जाने से पहले करें बुकिंग

अमृत उद्यान जाने से पहले आप बुकिंग कर सकते हैं। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच 6 घंटे के स्लॉट में टिकट अलॉट किए जाएंगे। आप राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट पर जाकर टिकट बुक कर सकते हैं। यहां की बुकिंग निःशुल्क है। अगर आप ऑनलाइन बुक नहीं कर रहे हैं तो राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 के बाहर वॉक-इन पर्यटकों के लिए रखे गए सेल्फ सर्विस कियोस्क के जरिए बुकिंग कर सकते हैं।

बेहद खूबसूरत है अमृत उद्यान

राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित अमृत उद्यान में स्टोन एबेकस, साउंड पाइप और म्यूजिक वाल मुख्य आकर्षणों में से हैं, जिनका आप लुत्फ उठा सकते हैं। यहां जाने वाले लोगों को तुलसी के बीज से बने 'बीज पत्र' भी दिए जाएंगे, जो एक अनोखा और पर्यावरण अनुकूल स्मृति चिन्ह है।

ध्यान में रखें ये बातें

- अमृत उद्यान जा रहे हैं तो अपने फोन पर सरकार द्वारा जारी फोटो आईडी और अपना डिजिटल विजिटर पास रखें।
- फोन की अनुमति है, लेकिन फोटो और वीडियो दोनों मना है।
- पान, सिगरेट, तंबाकू और खाने का सामान ले जाने की अनुमति नहीं है।
- पर्यटक पानी, बच्चे की दूध की बोतलें, पर्स, छाते और हैंडबैग ला सकते हैं।
- अंदर एक फूड कोर्ट है।

अमृत उद्यान कैसे जाएं और टाइमिंग

अमृत उद्यान सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा। यहां जाने के लिए एंट्री शाम 5.15 बजे बंद हो जाती है। इसके अलावा सोमवार के दिन ये बंद रहता है। इस के सबसे पास मेट्रो स्टेशन केंद्रीय सचिवालय है, जो पीली और बैंगनी लाइनों से कनेक्टेड है। मेट्रो स्टेशन से शटल बस सेवा मिल जाएगी, ये एक मुफ्त शटल बस सेवा है।

SUCCESS MANTRA

सक्सेस चाहते हैं तो अपनी आदतों को बदले

पैसा कमाने की चाह तो सबमें होती है। लेकिन जरूरी है पैसा कमाने के लिए कुछ खास गुणों का होना। इन 6 आदतों को अपनाकर आप भी लाइफ में रिच पर्सन बन सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

पैसा कमाने की चाह तो हर किसी के अंदर होती है और हर इंसान रिच बनना चाहता है। लेकिन पैसा कमाने के लिए कुछ खास तरह के गुणों का होना जरूरी है। अगर आप पैसेवाले लोगों को देखेंगे तो सब में कुछ आदतें एक जैसी मिलेंगी। जिससे पता चलता है कि ये आदते पैसा कमाने और रिच बनने में मदद कर सकती है। तो अपने व्यवहार में जल्द से जल्द इन 6 आदतों को शामिल कर लें।

गोल्स सेट करें और प्लानिंग करें

रिच लोग हमेशा गोल्स सेट करते हैं और उसके मुताबिक प्लान करते हैं। छोटे प्लान को अचीव करने के लिए वो हफ्ते, महीने और साल का समय लेते हैं। फिर खुद को 20 साल बाद कहां देखेंगे इस बारे में सोचते हैं। वहीं कई सारे एक्सपर्ट्स का कहना है कि गरीब लोगों के पास अपनी लाइफ का कोई प्लान नहीं होता। इसलिए लाइफ में प्लान बनाने और उसे पूरा करने के लिए गोल्स सेट करें।

खर्चों पर कंट्रोल

पैसे बनाने का सबसे अच्छा तरीका है कि पैसे को बचाकर सही जगह इन्वेस्ट किया जाए। रोजाना के खर्चों को कम कर इन्वेस्टमेंट की तरफ ध्यान देना जरूरी है। जिससे कि गरीबी से बाहर निकला जा सके।

आय के होने चाहिए कई स्त्रोत

अगर आप सोचते हैं कि केवल एक नौकरी से आप पैसे वाले बन जाएंगे तो ये सोच पूरी तरह से गलत है। 2019 की यू एस सेनसस ब्यूरो स्टडी ने पाया कि अमेरिका में केवल 8.8 प्रतिशत महिलाओं के पास और 8 प्रतिशत पुरुषों के पास दो से ज्यादा जॉब है। जबकि पैसे कमाने के लिए कम से कम दो से तीन आय के स्त्रोत होने चाहिए।

खुद को हमेशा अपग्रेड करना जरूरी है

खुद को स्किलफुल बनाना जरूरी है। नई टेक्नोलॉजी, अपने फील्ड के नए वर्क और कुछ ना कुछ नया स्किल सीखने पर फोकस करना चाहिए। जब आपके अंदर स्किल होगी तो पैसा कमाना आसान होगा।

टॉक्सिक रिलेशनशिप से दूर रहें

हेल्थ का वेल्थ पर गहरा असर होता है। खासतौर पर मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। मेंटल हेल्थ को स्ट्रांग रखने के लिए टॉक्सिक लोगों से दूर रहना चाहिए। ऐसे लोग जो आपके मनोबल गिराने की कोशिश करें, उनसे दूर रहें।

टॉक्सिक रिलेशनशिप से दूर रहें

हेल्थ का वेल्थ पर गहरा असर होता है। खासतौर पर मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। मेंटल हेल्थ को स्ट्रांग रखने के लिए टॉक्सिक लोगों से दूर रहना चाहिए। ऐसे लोग जो आपके मनोबल गिराने की कोशिश करें, उनसे दूर रहें।

किचन अप्लांइसेज खरीदते समय खुद से जरूर पूछें ये जरूरी सवाल

आधुनिक रसोई में अब हर काम के लिए एक नया उपकरण उपलब्ध है। पर, क्या ढेर सारे उपकरण इकट्ठा कर लेने से बात बन जाएगी? कैसे अपनी जरूरत के मुताबिक किचन अप्लाइंसेज की करें खरीदारी और इस दौरान किन बातों का रखें ध्यान...

• **जालंधर ब्रीज.** किचन

रसोई, घर का वह कोना जहां औरतों का सबसे ज्यादा वक्त गुजरता है। औसतन देखा जाए तो गृहिणियां अपनी जिंदगी के लगभग 18 साल वहीं गुजार देती हैं। यकीनन 21वीं सदी की हर चीज की तरह उनके इस काम को भी रफ्तार की जरूरत है, जिसमें उनकी मदद करते हैं मॉर्डन किचन अप्लांइसेज, जिन्हें हर शख्स अपनी जरूरत के हिसाब से अपनी रसोई का हिस्सा बनाना चाहता है। पर, कुछ बातें हैं जो इन अप्लांइसेज को रसोई का हिस्सा बनाने के पहले ध्यान में रखने की जरूरत होती है ताकि वह आपके लिए मददगार बनें, समस्या नहीं। उन्हें घर लाने के पहले उनकी उपयोगिता, खर्च, रख-रखाव सरीखी तमाम बातें हैं, जिन पर गौर करना जरूरी होता है। इन बातों की अनदेखी न सिर्फ आपकी जेब पर असर डालेगी बल्कि उन अप्लाइंसेज की उपयोगिता में भी आपको कमी नजर आने लगेगी।

बनाएं योजना- हर काम की तरह उपकरण की खरीदारी के पहले भी एक सटीक योजना की आवश्यकता होती है। कोई भी उपकरण लेने के पहले अपनी रसोई के आकार, प्रकार, जरूरत पर गौर कीजिए। इंटीरियर डिजाइनर शौर्या पांडेय कहती हैं कि उपकरण लाने से भी पहले इस बात को समझें कि आप उस उपकरण को रसोई में कैसे व्यवस्थित ढंग से फिट कर सकती हैं। यानी रसोई का आकार छोटा हो तो उसमें बहुत बड़ा फ्रिज नहीं रखा जा सकता। तो अपने किचन के आकार के हिसाब से एकदम सटीक साइज का उपकरण चुनें। मुमकिन है कि आपको अच्छा लगने वाला उपकरण रसोई में थोड़े से बदलाव के बाद फिट हो जाए। तो आप उस ओर भी सोच सकती हैं। ध्यान रहे कि अगर आपके उपकरण को सही जगह नहीं मिल पाई तो आपका किचन फैला और अव्यवस्थित नजर आएगा। हो सकता है, काम आने वाली अड़चन के चलते आप उस उपकरण का प्रयोग जरूरत पड़ने पर भी करने से परहेज करें। ऐसे में यकीनन बेहद आवश्यक उपकरण भी आपको बोझ-सा लग सकता है।

लें भरपूर समय - किचन अप्लांइसेज के बाजार में आज ढेरों विकल्प मौजूद हैं। यह बड़े निवेश का मसला हो सकता है। लिहाजा, उपकरण को अपने किचन के लिए चुनने से पहले मार्केट सर्वे जरूर कर लें। इस ओर भी जरूर ध्यान दें कि कहीं विक्रेता महंगे उत्पाद को ज्यादा तवज्जो तो नहीं दे रहा? इसमें आप इंटरनेट की मदद भी ले सकती हैं। प्रोडक्ट लेने के पहले उसके बजट के साथ-साथ रेंटग को भी जरूर देखें। कस्टमर रिव्यू भी आपको प्रोडक्ट की गुणवत्ता का अंदाजा लगाने में मदद कर सकता है।

वारंटी पर भी करें गौर - कई बार उपकरण किसी खामी के साथ आ जाता है या कुछ दिनों के बाद उसमें समस्या आने लग जाती है। वारंटी और उसकी रिर्टन पॉलिसी की जांच करने के बाद हर उपकरण खरीदें। आपको यह भी साफ कर लेना चाहिए कि उत्पाद में वारंटी है या गारंटी और वह कितने दिनों की है। कई बार हम इस ओर ध्यान नहीं देते और वारंटी के बिना उत्पाद लेकर जोखिम उठाते हैं। कई बार जानकारी के अभाव में हम रिर्टन पॉलसी का समय रहते प्रयोग नहीं करते और नुकसान उठाते हैं। लिहाजा, इस ओर जरूर ध्यान दीजिए।

कैसी है कंपनी की सर्विस? - उपकरणों को नियमित रखरखाव की आवश्यकता होती है। समय-समय पर आपको इसके लिए मदद की जरूरत पड़ सकती है। लिहाजा, उपकरण को घर लाने के पहले यह जरूर जांच लें कि कंपनी का सर्विस सेंटर आपके इलाके में है या नहीं। या फिर कस्टमर केयर की सर्विस कैसी है? खरीदारी से पहले आपकी यह जांच-पड़ताल अप्लाइंसेज के आपके अनुभव को अच्छा बनाएगी।

यहां तुलना है जरूरी - आज हमारे पास कोई भी चीज खरीदने के लिए ऑनलाइन सुविधा मौजूद है, जहां तरह-तरह के आकर्षक ऑफर्स हमें अकसर आकर्षित करते हैं। पर, खरीदारी करने के पहले ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों पर उस प्रोडक्ट की कीमत की तुलना जरूर कर लें। अगर आपको उपकरण की साइज को लेकर कोई दुविधा है, तो बेहतर होगा कि आप उसे ऑफलाइन ही खरीदें। ऐसा करने से आप अपनी जरूरत के हिसाब से उत्पाद चुन पाएंगी। अगर ऑनलाइन खरीददारी करनी भी है तो भी एक बार दुकान में जाकर उस प्रोडक्ट को जरूर देख आएं। दुकानदार से आपको उस उपकरण के बारे काफी जानकारी मिल जाएगी और अन्य जानकारियां आप इंटरनेट से ले सकती हैं।

यूं करें देखभाल

1. क्या आप भी गैस बर्नर को साबुन से साफ करती हैं? अगर हां, तो आज से इससे तौबा कर लीजिए। साबुन, खाने के कण और वहां मौजूद मैल चूल्हे के लार्इंटग होल्स पर जम जाते हैं और गैस जलने में परेशानी होने लग जाती है। गैस के चूल्हे और बर्नर को साफ करने के लिए गीले कपड़े का प्रयोग करें।
2. माइक्रोवेव, ओटीजी और गैस ओवन को हम अकसर इस्तेमाल तो करते हैं, पर साफ करना भूल जाते हैं। तेल और खाने के कण माइक्रोवेव की आर्तरिक सतह पर फैल जाते हैं, जिनकी समय-समय पर सफाई न होने से माइक्रोवेव की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जमी गंदगी इसकी हींटग क्वाइल को भी नुकसान पहुंचाती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि खाना पकाने के बाद पानी में डिशवॉश या विनिगर मिलाकर मुलायम कपड़े या स्पंज से माइक्रोवेव की आंतरिक सतहों को साफ कर लें। माइक्रोवेव को साफ करने के लिए आप माइक्रोवेव सेफ कंटेनर में दो कप पानी और दो बड़े चम्मच सिरका भरकर तीन से पांच मिनट के लिए माइक्रोवेव में रख सकती हैं। भाप अपना काम करेगी। बाद में स्पंज या कपड़े से अंदरूनी हिस्सा पोछ दें।
3. फ्रिज में हम ठूस-ठूस कर सामान भर देते हैं। पर, क्या आपको यह मालूम है कि जब-जब आप ऐसा करती हैं, तो हवा का प्रवाह बाधित होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि आपके फ्रिज में सामान बहुत ज्यादा है। ऐसा करना कन्डेंसर पर भार को बढ़ाता है, जो आपके फ्रिज को जल्दी खराब कर सकता है। बेहतर यही रहेगा कि समय-समय पर आप फ्रिज से अतिरिक्त सामान को निकालती रहें। फ्रिज के कॉइल्स को भी साफ करना न भूलें। बंद कॉइल हवा के प्रवाह को रोकते हैं।
4. क्या आपने ध्यान दिया है कि आपके टोस्टर में छोटे-छोटे कणों को इकट्ठा करने वाली दरार होती है? अगर नहीं तो कीजिए। उसे बाहर निकाल कर साफ किया जा सकता है। आपका ऐसा करना टोस्ट से बदबू आने से बचाएगा।

खरीदारी से पहले खुद से पूछिए कुछ जरूरी सवाल

किचन को अपडेट करना अच्छी बात है। पर, ऐसा करने से पहले खुद से कुछ सवाल जरूर पूछें ताकि न आपकी रसोई में भार बढ़े और न आपकी जेब पर:
खुद से पूछिए कि क्या आप उस उपकरण का प्रयोग सच में करेंगी? दूसरों की नकल में किसी भी चीज को अपने किचन का हिस्सा बनाने की जगह अपने खाना पकाने की शैली को ध्यान में रखते हुए नए उपकरणों को अपनी रसोई में लाइए।

कैसे पता करें हाइट के हिसाब से वजन सही है या नहीं

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

हेल्दी रहने के लिए शरीर का वजन कंट्रोल में होना जरूरी है। अगर शरीर में फैट बढ़ता है तो वजन बढ़ेगा और ओबेसिटी के साथ ही डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हार्ट डिसीज, कोलेस्ट्रॉल जैसी कई गंभीर बीमारियां घेरने का खतरा रहता है। लेकिन कैसे पता चले कि आपका बॉडी वेट सही है और आपको हेल्दी बने रहने में मदद करेगा। इस बारे में एक्सपर्ट का कहना है कि शरीर की लंबाई के हिसाब से शरीर का वजन होना चाहिए। लेकिन कैसे पता चले कि लंबाई के हिसाब से शरीर का वजन कितना होना चाहिए। तो इस बारे में मशहूर डॉक्टर सरीन ने एक पॉडकास्ट में तरीका बताया, जिससे बड़ी ही आसानी से लंबाई के हिसाब से अपने वजन को पता किया जा सकता है।

लंबाई के हिसाब से कैसे पता करें शरीर का वजन : हेल्दी बॉडी वेट पता करने का बहुत ही आसान तरीका है। शरीर की लंबाई से 100 घटा दीजिए तो उतना ही वजन हेल्दी और आइडियल माना जाता है। जैसे कि किसी की हाईट अगर 175 सेंटीमीटर है तो सौ घटाने के बाद 75 किलो वजन सही है।

फैमिली में अगर हाई बीपी और डायबिटीज की हिस्ट्री है तो ऐसे लोगों के लिए हाईट से 105 घटा देने पर जो वजन निकलता है। वो हेल्दी बॉडी वेट माना जाता है और इसमे बीमारियों के होने का खतरा कम होता है।

महिलाओं के लिए अलग है नियम :

वहीं महिलाओं को अगर हेल्दी बॉडी वेट पता करना है तो हाईट से 105 घटा देने पर हेल्दी बॉडी वेट मिलता है। वहीं अगर फैमिली में डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां है तो हाईट में 110 घटा देने पर वजन निकलकर आएगा। वो हेल्दी माना जाएगा। तो बस इस आसान तरीके से पता करें कि आपका वजन आपकी लंबाई के हिसाब से सही है या नहीं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

बाथरूम गीला छोड़ने की आदत बना सकती है आपको बीमार

HEALTH

ऑफिस के लिए जल्दीबाजी में तैयार होते समय अगर आप अकसर अपने बाथरूम को बिना वाइपर लगाए गीला ही छोड़ देते हैं, तो आपको सतर्क रहना चाहिए। अनजाने में आपकी ये आदत आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आपने अकसर घर की महिलाओं को परिवार के मर्दों को लेकर एक शिकायत करते हुए सुना होगा कि वो बिस्तर पर गीला तौलिया छोड़कर ही ऑफिस के लिए निकल जाते हैं। गीला तौलिया ना सिर्फ बिस्तर गीला करता है बल्कि बदबू और संक्रमण का कारण भी बन सकता है। ठीक उसी तरह गीला बाथरूम भी अनजाने में आपकी सेहत खराब करके आपको बीमार बना सकता है। जी हां, कई लोगों की आदत होती है कि वो नहाने के बाद बाथरूम में वाइपर नहीं लगाते हैं और उसे गीला ही छोड़कर बाहर आ जाते हैं। लंबे समय तक बाथरूम गीला रहने से ना सिर्फ वहां बदबू फैल जाती है बल्कि सेहत से जुड़े कई नुकसान भी व्यक्ति को झेलने पड़ सकते हैं।

बाथरूम गीला रखने के नुकसान-

बैक्टीरियल इन्फेक्शन- गीला और नमी वाला बाथरूम कई बीमारियों को जन्म दे सकता है। ऐसे बाथरूम का फर्श बैक्टेरोइडेसी, स्ट्रेप्टोकोकस और साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया का प्रजनन स्थल बन सकता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को यूरिनरी ट्रैक्ट संक्रमण, ट्यूबरक्यूलोसिस और अन्य संक्रमण होने का खतरा बढ़ सकता है।

फंगल इन्फेक्शन- लंबे समय तक गीले और नमी वाले बाथरूम में कवक या मोल्ड पैदा हो सकते हैं। ये कवक व्यक्ति के लिए सांस से जुड़ी समस्याएं, खांसी और जुकाम का भी कारण बन सकते हैं।

स्किन एलर्जी- कई बार बाथरूम में मौजूद नमी और गीलापन व्यक्ति के लिए स्किन एलर्जी का कारण बन सकता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को त्वचा में जलन, लालिमा और खुजली की समस्या परेशान कर सकती है।

मलेरिया-डेंगू का खतरा- बाथरूम में मौजूद गीलापन और नमी में मच्छर पैदा हो सकते हैं। जो व्यक्ति के लिए डेंगू, मलेरिया या चिकनगुनिया का खतरा पैदा कर सकते हैं।

सर्दी लग सकती है- बाथरूम के गीले फर्श पर लंबे समय तक नंगे पैर खड़े रहने से व्यक्ति को आसानी से सर्दी लग सकती है। जिससे उसकी तबीयत खराब हो सकती है। इसके अलावा गीले फर्श पर फिसलकर गिरने से चोट लगने का खतरा भी बना रहता है।

कैसे हुआ AI का जन्म, 68 साल पहले हुई क्रांति ने लिखा इंसानों और मशीनों का भविष्य

• जालंधर ब्रीज . नॉलेज

AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इसे लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। आम आदमी से लेकर तकनीक के जानकार तक इसके फायदे और नुकसान का पता लगाने में जुटे हुए हैं। आम तस्वीर देखें तो यह डिजिटल काम को बेहद आसान कर रही हैं। वहीं, लोगों के मन में आशंका इसकी भी है कि अगर AI पर निर्भता बढ़ती है, तो इसका असर नौकरियों पर हो सकता है।

हालांकि, अब तक पुख्ता तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। फिलहाल इसके समर्थक और विरोधी दोनों ही मौजूद हैं। AI के सफर की शुरुआत करीब 7 दशक पहले हुई थी। तब शायद उम्मीद भी नहीं की गई होगी कि मशीनें भी इंसान का दिमाग पढ़ने जितनी काबिल हो सकती हैं।

साल 1956 से शुरु होती है कहानी

कल्पना कीजिए कि 1956 की जाती गर्मियों के दौरान अमेरिका में न्यू इंग्लैंड के एक सुरम्य कॉलेज परिसर में युवाओं का एक समूह इकट्ठा होता है। यह एक छोटी सी अनौपचारिक मुलाकात है। लेकिन ये लोग यहां कैम्पफायर और आसपास के पहाड़ों और जंगलों में प्रकृति की सैर के लिए नहीं आए हैं। इसके बजाय, ये अग्रणी एक प्रायोगिक यात्रा शुरू करने वाले हैं जो आने वाले दशकों में अनगिनत चर्चाओं का कारण बनने के साथ ही प्रौद्योगिकी और मानवता का चेहरा बदल देगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के जन्मस्थान डार्टमाउथ सम्मेलन में आपका स्वागत है, जैसा कि हम आज इसे जानते हैं। यहां जो हुआ वह अंततः ChatGPT और कई अन्य प्रकार के एआई को जन्म देगा जो अब हमें बीमारी का निदान करने, धोखाधड़ी का पता लगाने, प्लेलिस्ट को एक साथ रखने और लेख लिखने (खैर, यह तो नहीं) में मदद करते हैं। लेकिन यह उन कई समस्याओं में से कुछ को भी जन्म देगा जिन पर यह क्षेत्र अभी भी काबू पाने की कोशिश कर रहा है। शायद पीछे मुड़कर देखने से हमें आगे बढ़ने का बेहतर रास्ता मिल सकता है।

वह गर्मियां, जिसने सब कुछ बदल दिया

1950 के दशक के मध्य में, रॉक'एन'रोल दुनिया में तूफान मचा रहा था। एल्विस का हार्टब्रेक होटल चार्ट में शीर्ष पर था, और किशोरों ने जेम्स डीन की

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर डार्टमाउथ समर रिसर्च प्रोजेक्ट, जिसे अक्सर डार्टमाउथ सम्मेलन के रूप में याद किया जाता है, 18 जून को शुरू हुआ और लगभग आठ सप्ताह तक चला। यह चार अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिकों - जॉन मैक्कार्थी, मार्विन मिन्स्की, नथानिएल रोचेस्टर और क्लाउड शैनन के दिमाग की उपज थी।

विद्रोही विरासत को अपनाना शुरू कर दिया था। लेकिन 1956 में न्यू हैम्पशायर के एक शांत कोने में एक अलग तरह की क्रांति हो रही थी।

कौन-कौन रहा शामिल

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर डार्टमाउथ समर रिसर्च प्रोजेक्ट, जिसे अक्सर डार्टमाउथ सम्मेलन के रूप में याद किया जाता है, 18 जून को शुरू हुआ और लगभग आठ सप्ताह तक चला। यह चार अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिकों - जॉन मैक्कार्थी, मार्विन मिन्स्की, नथानिएल रोचेस्टर और क्लाउड शैनन के दिमाग की उपज थी - और उस समय कंप्यूटर विज्ञान, गणित और संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में कुछ प्रतिभाशाली दिमागों को एक साथ लाया था।

ये वैज्ञानिक, अपने द्वारा आमंत्रित 47 लोगों में से कुछ के साथ, एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य से निपटने के लिए निकले और वह लक्ष्य था बुद्धिमान मशीनें बनाना। जैसा कि मैक्कार्थी ने सम्मेलन के प्रस्ताव में रखा था, उनका उद्देश्य यह पता लगाना था कि 'मशीनों को भाषा का उपयोग कैसे कराया जाए, अमूर्तताएं और अवधारणाएं कैसे बनाई जाएं, उन समस्याओं का समाधान कैसे किया जाए जो अब मनुष्यों के लिए आरक्षित हैं'।

एक क्षेत्र का जन्म - और एक समस्याग्रस्त नाम

डार्टमाउथ सम्मेलन ने केवल 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' शब्द ही नहीं गढ़ा; इसने अध्ययन के पूरे क्षेत्र को एकजुट किया। यह एआई के एक पौराणिक बिग बैंग की तरह है - मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क और डीप लर्निंग के बारे में हम जो कुछ भी जानते हैं, उसकी उत्पत्ति न्यू हैम्पशायर की गर्मियों में हुई थी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने उस समय प्रस्तावित या उपयोग में आने वाले अन्य नामों की तुलना में एक नाम के रूप में जीत हासिल की। शैनन ने 'ऑटोमेटा अध्ययन' शब्द को प्राथमिकता दी, जबकि दो अन्य सम्मेलन प्रतिभागियों (और पहले एआई कार्यक्रम के निर्माता), एलन नेवेल और हर्बर्ट साइमन ने कुछ वर्षों तक 'जटिल सूचना प्रसंस्करण' का उपयोग जारी रखा।

लेकिन खास बात यह है कि एआई पर निर्णय लेने के बाद, चाहे हम कितनी भी कोशिश कर लें, आज हम एआई की तुलना मानव बुद्धि से करने से बच नहीं सकते। यह तुलना वरदान भी है और अभिशाप भी।

एक ओर, यह हमें एआई सिस्टम बनाने के लिए प्रेरित करता है जो विशिष्ट कार्यों में मानव प्रदर्शन से मेल खा सकता है या उससे आगे निकल सकता है। हम जश्न मनाते हैं जब एआई शतरंज या गो जैसे खेलों में इंसानों से बेहतर प्रदर्शन करता है, या जब यह मानव डॉक्टरों की तुलना में चिकित्सा छवियों में अधिक सटीकता के साथ कैंसर का पता लगा सकता है।

दूसरी ओर, यह निरंतर तुलना गलतफहमियों को जन्म देती है। जब एक कंप्यूटर गो पर एक इंसान को हरा देता है, तो इस निष्कर्ष पर पहुंचना आसान होता है कि मशीनें अब सभी पहलुओं में हमसे ज्यादा स्मार्ट हैं - या कि हम कम से कम ऐसी बुद्धिमत्ता बनाने की राह पर हैं। लेकिन अल्फागो एक कैलकुलेटर का काम तो कर सकता है, लेकिन कविता लिखने का काम नहीं कर सकता।

और जब एक बड़ा भाषा मॉडल मानवीय लगता है, तो हम आश्चर्यचकित होने लगते हैं कि क्या यह संवेदनशील है। लेकिन चैटजीपीटी एक बात करने वाले वेंट्रिलोक्विस्ट की डमी से अधिक जीवित नहीं है।

अतिआत्मविश्वास का जाल

डार्टमाउथ सम्मेलन के वैज्ञानिक एआई के भविष्य के बारे में अविश्वसनीय रूप से आशावादी थे। उन्हें विश्वास था कि वे मशीन इंटेलिजेंस की समस्या को एक ही गर्मी में हल कर सकते हैं। यह अति आत्मविश्वास एआई विकास में एक बड़ा विषय रहा है, और इसने प्रचार और निराशा के कई चक्रों को जन्म दिया है।

साइमन ने 1965 में कहा था कि 'मशीनें, 20 वर्षों के भीतर, कोई भी काम करने में सक्षम होंगी जो एक आदमी कर सकता है'। मिंस्की ने 1967 में भविष्यवाणी की थी कि 'एक पीढ़ी के भीतर 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' बनाने की समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी'। लोकप्रिय भविष्यवादी रे कुर्जवील अब भविष्यवाणी करते हैं कि यह केवल पांच साल दूर है: 'हम वहां तक नहीं हैं, लेकिन हम वहां होंगे, और 2029 तक यह किसी भी व्यक्ति से मेल खाएगा।

डार्टमाउथ से नए सबक

अब सवाल यह है कि एआई शोधकर्ता, एआई उपयोगकर्ता, सरकारें, नियोक्ता और व्यापक जनता अधिक संतुलित तरीके से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? एक महत्वपूर्ण कदम मशीन प्रणालियों के अंतर और उपयोगिता को अपनाना है। 'कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता' की दौड़ पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, हम अपने द्वारा बनाए गए सिस्टम की अद्वितीय शक्तियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं - उदाहरण के लिए, छवि मॉडल की विशाल रचनात्मक क्षमता।

इंसानों को मशीनों के खिलाफ खड़ा करने के बजाय, आइए इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि एआई कैसे मानवीय क्षमताओं को बढ़ा सकता है और सहायता कर सकता है। आइए नैतिक विचारों पर भी जोर दें। डार्टमाउथ प्रतिभागियों ने एआई के नैतिक प्रभावों पर चर्चा करने में ज्यादा समय नहीं लगाया। आज, हम बेहतर जानते हैं, और बेहतर करना चाहिए।

हमें अनुसंधान दिशाओं पर भी दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आइए एआई व्याख्या और मजबूती, अंतःविषय एआई अनुसंधान में अनुसंधान पर जोर दें और बुद्धिमत्ता के नए प्रतिमानों का पता लगाएं जो मानव अनुभूति पर आधारित नहीं हैं।

अंत में, हमें एआई के बारे में अपनी अपेक्षाओं का प्रबंधन करना चाहिए। निश्चित रूप से, हम इसकी क्षमता को लेकर उत्साहित हो सकते हैं। लेकिन हमें यथार्थवादी उम्मीदें भी रखनी चाहिए, ताकि हम अतीत के निराशा चक्रों से बच सकें। जैसा कि हम 68 साल पहले के उस ग्रीष्मकालीन शिविर को देखते हैं, हम डार्टमाउथ सम्मेलन के प्रतिभागियों की दृष्टि और महत्वाकांक्षा का जश्न मना सकते हैं। उनके काम ने उस एआई क्रांति की नींव रखी जिसे हम आज अनुभव कर रहे हैं।

एआई के प्रति अपने दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित करके - उपयोगिता, संवर्द्धन, नैतिकता और यथार्थवादी अपेक्षाओं पर जोर देकर - हम एआई के भविष्य के लिए अधिक संतुलित और लाभकारी पाठ्यक्रम तैयार करते हुए डार्टमाउथ की विरासत का सम्मान कर सकते हैं।

आखिरकार, वास्तविक बुद्धिमत्ता केवल स्मार्ट मशीनें बनाने में नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि हम कितनी बुद्धिमानी से उनका उपयोग और विकास करते हैं।

पश्चिमी कमान ने 58वां आवा दिवस मनाया

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . भारतीय सेना की आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (आवा) सैनिकों के परिवारों और निकट संबंधियों की चिंताओं और चुनौतियों को दूर करने और उन्हें कम करने के लिए सबसे आगे रहती है। इस कल्याणकारी संगठन की पहल को चिह्नित करने के लिए, भारतीय सेना हर साल 23 अगस्त को आवा दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष, 58वां आवा दिवस चंडीमंदिर मिलिट्री स्टेशन में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

आवा, पश्चिमी कमान ने कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें परिवारों और बुजुर्गों के लिए चयापचय संबंधी बीमारियों, मधुमेह, एनीमिया, स्तन कैंसर और अस्थि खनिज घनत्व की जांच के लिए एक चिकित्सा और स्वास्थ्य जांच शिविर शामिल था। आवा एंटरप्रेन्योर प्रदर्शनी में सैन्य परिवारों की उभरती महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की गई। प्रदर्शनी के मौके पर, सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी के माध्यम से घरेलू उत्पादों की बिक्री, विपणन और विज्ञापन पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। श्रीमती शुचि कटियार, क्षेत्रीय अध्यक्ष, आवा पश्चिमी कमान ने 1 कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आवा बिरादरी के सभी सदस्यों और परिवारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए, उन्होंने उनसे पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने और आधुनिक प्रगतिशील भारत में अपने लिए जगह बनाने के लिए कहा ।

उन्होंने शहीद नायकों को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की और इस अवसर पर 10 वीर नारियों को सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने आवा उत्कृष्टता पुरस्कार के विजेताओं से बातचीत की और उन्हें प्रोत्साहित किया।

बायोई3 नीति: अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी

दूरगामी प्रभाव वाली एक ऐतिहासिक पहल के रूप में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की बायोई3 (अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति का उद्देश्य स्वच्छ, हरित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के लिए उच्च प्रदर्शन वाले जैव विनिर्माण को बढ़ावा देना है। यह नीति पूरी दुनिया के भविष्य के आर्थिक विकास के शुरुआती मार्गदर्शकों में से एक के रूप में भारत के लिए वैश्विक परिदृश्य में अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करेगी।

भौतिक उपभोग, अत्यधिक संसाधन उपयोग और अपशिष्ट उत्पादन के असंवहनीय प्रारूप ने विभिन्न वैश्विक आपदाओं को जन्म दिया है, जैसे जंगल की आग, ग्लेशियरों का पिघलना और जैव विविधता में कमी आदि। भारत को 'हरित विकास' के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ाने की राष्ट्रीय प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, एकीकृत बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति जलवायु परिवर्तन, घटते गैर-नवीकरणीय संसाधनों और असंवहनीय अपशिष्ट उत्पादन की चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि में, सतत विकास की दिशा में एक सकारात्मक और निर्णायक कदम है। इस नीति का एक प्रमुख उद्देश्य रसायन आधारित उद्योगों को अधिक स्थायी जैव-आधारित औद्योगिक मॉडल में परिवर्तित करना है। यह चक्रीय जैव अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा, ताकि नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल किया जा सके। इसके लिए यह जैव-आधारित उत्पादों के उत्पादन के लिए माइक्रोबियल सेल कारखानों द्वारा बायोमास, लैंडफिल, ग्रीन हाउस गैसों जैसे अपशिष्ट के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा।

इसके अलावा, बायोई3 नीति भारत की जैव अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने, जैव-आधारित उत्पादों के पैमाने का विस्तार करने और व्यावसायीकरण की सुविधा प्रदान करने; अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा कम करने, इनका पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण करने; भारत के अत्यधिक कुशल कार्यबल के समूह का विस्तार करने; रोजगार सृजन में तेजी लाने तथा उद्यमिता की गति को तेज करने के लिए अभिनव समाधान तैयार करेगी। नीति की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं: 1) उच्च मूल्य वाले जैव-आधारित रसायन, बायोपॉलिमर और एंजाइम; स्मार्ट प्रोटीन और फंक्शनल फूड; सटीक जैव चिकित्सा; जलवायु अनुकूल कृषि; कार्बन स्तर में कमी और इसका उपयोग; तथा समुद्री एवं अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे विषयगत क्षेत्रों में स्वदेशी अनुसंधान और विकास-केंद्रित उद्यमिता को प्रोत्साहन और समर्थन; 2) जैव विनिर्माण सुविधाएं, जैव फाउंड्री क्लस्टर और जैव-कृत्रिम बुद्धिमत्ता (बायो-एआई) हब की स्थापना के जरिये प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण में तेजी; 3); नैतिक और जैव सुरक्षा विचार पर जोर देते हुए आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के पुनरुत्पादन मॉडल को प्राथमिकता देना; 4) वैश्विक मानकों के अनुरूप नियामक सुधारों का सामंजस्य।

भारत ने पिछले दशक में मजबूत आर्थिक विकास का प्रदर्शन किया है। भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति के वैश्विक अग्रणी देशों में से एक होने की अद्भुत क्षमता है। हमारी जैव अर्थव्यवस्था 2014 के 10 बिलियन डॉलर से 13 गुना बढ़कर 2024 में 130 बिलियन डॉलर से अधिक की हो गई है। 2030 तक इसके 300 बिलियन डॉलर के बाजार मूल्य तक पहुंचने की उम्मीद है। विभिन्न क्षेत्रों में बायोई3 नीति के कार्यान्वयन से देश की जैव अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलने की संभावना है, साथ ही 'हरित विकास' को प्रोत्साहन मिलेगा। देश की उच्च प्रदर्शन वाली जैव विनिर्माण पहलों को बढ़ावा देने से उभरती प्रौद्योगिकियां और नवाचार सामने आयेंगे, जिनका लाभ उठाते हुए जैव अर्थव्यवस्था की आधारशिला रखी जाएगी। जैव विनिर्माण 'मेक इन इंडिया' पहल का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनने के लिए तैयार है और यह 21वीं सदी की मांगों को पूरा करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रदान करेगा। एक बहु-विषयक प्रयास के रूप में, इसमें मानव कोशिकाओं सहित सूक्ष्मजीवों, पौधों और पशु कोशिकाओं की क्षमता को उजागर करने की शक्ति है, ताकि न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन के साथ लागत प्रभावी तरीके से जैव-आधारित उत्पाद विकसित किए जा सकें।

यह परिकल्पना की गई है कि जैव-विनिर्माण हब केंद्रीकृत सुविधाओं के रूप में काम करेंगे, जो उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों और सहयोगी प्रयासों के माध्यम से जैव-आधारित उत्पादों के उत्पादन, विकास और व्यावसायीकरण को गति प्रदान करेंगे। इससे एक ऐसे समुदाय का निर्माण होगा, जहां जैव-विनिर्माण प्रक्रियाओं के पैमाने, स्थायित्व और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संसाधन, विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी साझा की जा सकती है। ये जैव-विनिर्माण हब, जैव-आधारित उत्पादों के 'प्रयोगशाला-से-प्रारंभिक विनिर्माण' (लैब-टू-पायलट) और 'पूर्व-व्यावसायिक पैमाने' के विनिर्माण के बीच के अंतर को दूर करेंगे। स्टार्ट-अप इस प्रक्रिया में अभिनव विचारों को लाकर और विकसित करके तथा उन्हें लघु एवं मध्यम आकार के उद्यम (एसएमई) बनाकर और स्थापित निर्माता बनने में सहयोग करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। बायोफाउंड्री का तात्पर्य है, उन्नत क्लस्टरों के निर्माण, ताकि जैविक इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं को पैमाने के अनुरूप- प्रारंभिक डिजाइन और 'परीक्षण चरणों से लेकर पायलट' तथा 'पूर्व-व्यावसायिक उत्पादन' तक - तैयार किया जा सके। विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों के लिए एमआरएनए-आधारित टीकों और प्रोटीन का बड़े पैमाने पर निर्माण कुछ सराहनीय उदाहरण हैं, जिनके लिए बायोफाउंड्री मूल्यवान हो सकती हैं। ये क्लस्टर मानकीकृत और स्वचालित प्रक्रियाओं का उपयोग करके जैविक प्रणालियों और जीवों के डिजाइन, निर्माण एवं परीक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे।

बायो-एआई हब अनुसंधान एवं विकास में एआई के एकीकरण को प्रोत्साहित करने और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में काम करेंगे। एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, ये बायो-एआई हब बड़े पैमाने पर जैविक डेटा के एकीकरण, भंडारण और विश्लेषण के लिए जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता, अत्याधुनिक अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान करेंगे। विभिन्न विषयों (उदाहरण के लिए, जीव विज्ञान, महामारी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग, डेटा विज्ञान) के विशेषज्ञों के लिए इन संसाधनों को सुलभ बनाने से अभिनव जैव-आधारित अंतिम उत्पादों के निर्माण की सुविधा मिलेगी- चाहे वह जीन थेरेपी की एक नई किस्म हो, या एक नया खाद्य प्रसंस्करण विकल्प हो।

इन समन्वित पहलों के माध्यम से, बायोई3 नीति, विशेष रूप से टियर-II और टियर-III शहरों में, रोजगार सृजन में वृद्धि लाएगी, जहां जैव विनिर्माण हब स्थापित करने का प्रस्ताव है, क्योंकि ये स्थान बायोमास स्रोतों के निकट स्थित हैं। भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार में निवेश करके, यह व्यापक नीति राष्ट्र के 'विकसित भारत' के संकल्प में योगदान देगी। यह नीति एक बेंचमार्क के रूप में काम करेगी तथा इस बात को दर्शाएगी कि एक प्रभावी विज्ञान नीति राष्ट्र निर्माण और विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे सकती है।

-डॉ.जितेंद्र सिंह,
केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

अफ्रीकी चीते जल्द आयेंगे भारत... गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य होगा नया ठिकाना

चीतों के अगले बैच को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाया जाएगा जिसे चीतों के रहने के लिए दूसरे घर के रूप में चुना गया है। गौरतलब है कि कुनो राष्ट्रीय उद्यान में पहले से ही चीतों की क्षमता से 20 अधिक चीते हैं।

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . सरकार ने इस साल के अंत तक 12 से 14 और चीतों को भारत लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में बातचीत करने के लिए जल्द ही भारतीय प्रतिनिधिमंडल दक्षिण अफ्रीका की यात्रा कर सकता है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक इसके लिए केन्या के साथ भी बातचीत की जा रही है और एक समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चीतों के अगले समूह को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाने की योजना है।

एक अधिकारी ने बताया, ''हम इस मामले पर दक्षिण अफ्रीका से बातचीत कर रहे हैं। एक प्रतिनिधिमंडल ग्राउंड लेवल पर बातचीत करने के लिए सितंबर के अंत में या अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगा। चीतों का अगला समूह इन दोनों में से किसी भी देश से आ सकता है।'' उन्होंने कहा, ''हमने दक्षिण अफ्रीका को बताया है कि हम चीता प्रोजेक्ट स्टीरिंग कमेटी की सिफारिश और योजना के मुताबिक इस साल के अंत तक चीतों का एक और समूह लाने की कोशिश तेज करना चाहते हैं।''

गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य होगा नया ठिकाना : चीतों के अगले बैच को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाया जाएगा जिसे चीतों के रहने के लिए दूसरे घर के रूप में चुना गया है। गौरतलब है कि कुनो राष्ट्रीय उद्यान में पहले से ही चीतों की क्षमता से 20 अधिक चीते हैं। भारत में चीतों के पहले ठिकाने कुनो में ज्यादा तेंदुओं की आबादी और कम शिकार की वजह से दिक्कतें आ रही हैं। केंद्रीय समिति के मुताबिक सितंबर 2022 में भारत में चीतों को फिर से लाने के बाद से उनके लिए शिकार की व्यवस्था करना और तेंदुआ से बचाना प्रमुख चुनौतियां हैं। कम शिकार की वजह से ही पिछले साल अगस्त में जंगल से वापस लाए जाने के बाद चीतों को कुनो के बाड़ों में रखा गया था। फिलहाल अधिकारी कुनो और गांधी सागर दोनों में शिकार की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके अलावा तेंदुओं को भी दूसरी जगह भेजा जा रहा है।

कुनो-गांधी सागर में 60-70 चीतों की मेटापॉपुलेशन स्थापित करना लक्ष्य

बता दे कि गांधी सागर 368 वर्ग किलोमीटर में फैला है और इसके चारों ओर 2,500 वर्ग किलोमीटर का अतिरिक्त क्षेत्र है। गांधी सागर में चीता लाने की कार्ययोजना के अनुसार पहले चरण में 64 वर्ग किलोमीटर के शिकारी-रोधी बाड़ वाले क्षेत्र में पांच से आठ चीते छोड़े जाएंगे जिनके प्रजनन पर ध्यान दिया जाएगा। वहीं कुनो-गांधी सागर परिदृश्य में 60-70 चीतों की मेटापॉपुलेशन स्थापित करना लॉन्ग टर्म लक्ष्य है।

दुश्मनों की आई शामत, 73 हजार घातक बंदूकें खरीद रहा है भारत; US से हुई बड़ी डील

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . भारतीय सेना के हथियारों में भारी इजाफा होने जा रहा है। खबरें हैं कि अमेरिका के साथ 70 हजार से ज्यादा बंदूकों की एक डील हुई है। बीते साल दिसंबर में ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई वाली काउंसिल ने इन बंदूकों की खरीद पर मुहर लगा दी थी। खास बात है कि यह खरीद ऐसे समय पर होने जा रही है, जब सीमा पर चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते तल्ख बने हुए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अमेरिका से 73 हजार SiG Sauer असॉल्ट राइफल की डील की है। खास बात है कि ये सेना के लिए पहले खरीदी गईं ऐसी 72 हजार 400 बंदूकों के जखीरे में शामिल होंगी। SiG-716 राइफल्स 7.62x51mm कैलिबर गन होती हैं, जिनकी मारने की क्षमता 500 मीटर होती है। ये चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर तैनात सैनिकों को दी जानी हैं।

अखबार से बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि यह रिपीट ऑर्डर 837 करोड़ रुपये का है। दरअसल, ऐसा कहा जा रहा है कि रूसी AK-203 Kalashnikov राइफल्स के निर्माण में आ रही देरी के चलते भारत को 72 हजार 400 SiG-716 बंदूकें आयात करनी पड़ी थीं। तब समझौता 647 करोड़ रुपये में हुआ था। इनमें से 66 हजार 400 बंदूकें थल सेना, 4 हजार वायुसेना और 2 हजार नौसेना को दी जानी थीं।

आईसीसी के नए चेयरमैन चुने गए जय शाह ,दिसंबर से संभालेंगे जिम्मेदारी

जालंधर ब्रीज (वर्ल्ड न्यूज) . जय शाह को निर्विरोध आईसीसी का चेयरमैन चुना गया है। उनके सपोर्ट में 15 मेंबर थे वहीं आईसीसी के नियमों को देखें तो चेयरमैन के सिलेक्शन में 16 डायरेक्टर वोट करते हैं ऐसे में 9 वोट मिलना जरूरी माना जाता है चेयरमैन पद के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। वे ग्रेग बार्कले का कार्यकाल खत्म होने के बाद 1 दिसंबर से जिम्मेदारी संभालेंगे। वे आईसीसी के चेयरमैन बनने वाले सबसे युवा भारतीय होंगे जय शाह 36 साल की उम्र में यह जिम्मेदारी संभाल लेंगे ।जय शाह से पहले भारत के और भी दिग्गज इस पद पर रह चुके हैं जय शाह को इसके लिए बीसीसीआई सचिव का पद छोड़ना होगा। आईसीसी के मौजूदा चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले हैं उनका कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हो रहा है इसके बाद जय शाह पद संभाल लेंगे आईसीसी ने 20 अगस्त को इसको लेकर एक अहम जानकारी दी थी ।

खड़गा कोर द्वारा अंबाला में 'संपर्क से समाधान' पूर्व सैनिक रैली का आयोजन

जालंधर ब्रीज (अम्बाला) . खड़गा कोर ने अपने दिग्गजों, वीर नारियों, विधवाओं, उनके परिवारों और रक्षा नागरिकों के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए आज अंबाला कैंट में 191वीं रक्षा पेंशन समाधान का आयोजन किया। रैली, जो दो दिनों तक चलेगी, में 500 से अधिक लोग शामिल होंगे, जिनमें परिवार सहित पूर्व सैनिक, वीर नारियों, सैनिकों की विधवाएँ और अंबाला, यमुनानगर और कपूरथला जिलों के रक्षा नागरिक शामिल हैं।

रैली में लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, खड़गा कोर की ओर से मेजर जनरल श्रेया नितिन मेहता, चीफ ऑफ स्टाफ, खड़गा कोर ने भाग लिया, जिहोने रैली के माध्यम से "संपर्क से समाधान" के अपने आदर्श को सिद्ध करने के लिए अधिकतम दिग्गजों और परिवारों तक पहुंच बनने का प्रयास किया। इसमें पारिवारिक पेंशन, स्पर्श और वेतन निर्धारण से संबंधित मुद्दों के मौके पर समाधान को सक्षम करने के लिए कई स्टॉल स्थापित किए गए हैं, जिनमें पीसीडीए, स्पर्श, पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना, यूनिट रन कैंटीन, सैनिक बोर्ड, हेल्पलाइन, रिकॉर्ड कार्यालय, सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन शामिल हैं। रैली स्थल पर एक पूरी तरह सुसज्जित चिकित्सा शिविर के माध्यम से सभी उपस्थित लोगों के लिए चिकित्सा जांच और रेफरल की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

रैली को संबोधित करते हुए जनरल ऑफिसर ने सेवानिवृत्त बिरादरी के साथ भारतीय सेना की एकजुटता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की सफलता खड़गा कोर द्वारा दिग्गजों, वीर नारियों, सैनिकों की विधवाओं के साथ संपर्क स्थापित करने के समर्पित प्रयासों और भारतीय सेना द्वारा अपने दिग्गजों, शहीद नायकों और उनके परिवारों को राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और निस्वार्थ सेवा के लिए सम्मानित करने की प्रतिबद्धता का संकेत है।

डीसी व निगम कमिश्नर ने जालंधर में सालिड वेस्ट के लिए पहलकदमियों का लिया जायजा

नए कम्पोस्ट प्लांट व कम्पोस्ट पिटस के सुन्दरीकरन का किया एलान, कूड़ा इकट्ठा करने वालों के लिए ई-श्रम कार्ड बनाने के लिए होगी मुहिम की शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने कमिश्नर नगर निगम जालंधर गौतम जैन के साथ आज शहर में चल रहे सालिड वेस्ट प्रबंधन का विस्तार के साथ जायज़ा लिया। मीटिंग दौरान सालिड वेस्ट प्रबंधन के नियमों को सख़्ती के साथ लागू करने और जालंधर शहर को साफ़ सुथरा और हरा- भरा रखने की तरफ ध्यान देते नई पहलकदमियां बनाई गई। डा. अग्रवाल ने सबंधित विभागों को शहर को साफ़- सुथरा, हरा- भरा और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए किए जाने वाले यत्नों को ओर तेज़ी के साथ जारी रखने के निर्देश दिए।

मीटिंग दौरान डिप्टी कमिशनर ने गदईपुर क्षेत्र में नया विंडो कम्पोस्ट प्लांट स्थापित करने का ऐलान किया जिनकी रोज़ाना की गीला कूड़ा प्रोसैस करने की सामर्थ्य 65 से 70 टन होगी। यह प्लांट गीले कूड़े को अलग- अलग प्रयोग के लिए खाद में तबदील करेंगे।

इसके इलावा फोलड़ीवाल, बस्ती शेख, दकोहा और बड़िंग में चल रहे कम्पोस्ट गड्डों के सुन्दरीकरन और सामर्थ्य बढ़ाने का काम चल रहा है। डा. अग्रवाल ने अधिकारियों को प्रस्तावित स्थानों जैसे होशियारपुर रोड, 120 फुट रोड, कपूरथला रोड और नकोदर रोड का दौरा करने की हिदायत की ताकि इस प्रोजैक्ट की अगले पड़ाव के लिए शुरुआत की जा सके।

इसके इलावा डिप्टी कमिश्नर ने पंजाब शहरी योजना और विकास अथारिटी (पुड्डा) के अधिकारियों को हिदायत की कि यह यकीनी बनाया जायए कि शहर की सभी लायसैंस शुदा कलोनियों में सभ्य सालिड वेस्ट प्रबंधन यूनिट हों। उन्होंने राष्ट्रीय हाईवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी हिदायतें की कि सड़कों के निर्माण में निर्धारित मापदण्डों अनुसार अतिरिक्त प्लास्टिक का प्रयोग किया जाए और सड़कों को कूड़ा मुक्त रखा जाए। उन्होंने पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों से अपील की कि ज़िले भर के अस्पतालों को ताड़ना करते बायो- वेस्ट प्रबंधों के नियमों की पालना को ओर सख़्ती के साथ लागू किया जाए।

एक ओर महत्वपूर्ण पहल करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने नगर निगम को हिदायत की कि ई- श्रम स्कीम अधीन कूड़ा इकट्ठे करने वालों को रजिस्टर्ड करने के लिए विशेष मुहिम चलाई जाए। उन्होंने कहा कि इस मुहिम का मंतव्य कूड़ा इकट्ठे करने वालों को अधिक से अधिक वित्तीय लाभ मुहैया करवाना जिसमें 2 लाख रुपए की एक्स ग्रेशिया ग्रांट शामिल है।

इस सम्बन्धित कूड़ा डम्प करने वाले स्थानों पर स्पैशल कैंप लगाए जाएंगे और कूड़ा इकट्ठा करने वाले कामन सर्विस सैंटरों में भी अपना नाम दर्ज करवा सकते है। यह पहलकदमियां ज़िला प्रशासन द्वारा कूड़े की उचित ढंग से संभाल करना और जालंधर में साफ़ सुथरे और हरे- भरे वातावरण को बनाई रखने के लिए किए जा रहे यत्नों का हिस्सा हैं। इस दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्ननर जसबीर सिंह और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमरजीत बैंस भी मौजूद थे।

नशे के ख़िलाफ़ निर्णायक जंग शुरू की जाए : एसएसपी खख

एसएसपी व एडीसी ने ज़िला स्तरीय नशाखोरी व नशीले पदार्थों के व्यापार की रोकथाम मीटिंग में लिया जायजा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

एसएसपी हरकमलप्रीत सिंह खख और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमित महाजन ने आज ज़िला स्तरीय नशाखोरी और नशीले पदार्थों के व्यापार की रोकथाम समिति बैठक की अध्यक्षता की। मीटिंग का मंतव्य नशाखोरी ख़िलाफ़ कानूनी एजेंसियों और सबंधित विभागों की द्वारा की गई कार्यवाही का जायज़ा लेना था। उन्होंने ज़िला स्तरीय नशाखोरी और नशीले पदार्थों की रोकथाम समिति की पिछली मीटिंग दौरान लिए गए फ़ैसलों और की गई कार्यवाही संबंधी विस्तार से विचार- विर्मश किया। उन्होंने नशे को ख़त्म करने के लिए उठाए गए कदमों की प्रगति का जायज़ा भी लिया और समिति सदस्यों से अपील की कि नशे ख़िलाफ़ निर्णायक जंग शुरू की जाए। उन्होंने इस मौके नशे ख़िलाफ़ जागरूकता अभियान की प्रगति और इस के प्रभाव का जायज़ा भी लिया।

उन्होंने समिति के सदस्यों को कहा कि नशे की जकड़ में आने वाले संवेदनशील आयु ग्रुप के लोगों और विशेषकर शैक्षिक संस्थानों के आस- आस -पास नशे को फैलने से रोकने के लिए और ज्यादा चौकसी रखी जाए ताकि नौजवानों को नशे की दलदल में जाने से रोका जा सके।

उन्होंने सबंधित विभागों के अधिकारों पर ज़ोर दिया कि नशे के बुरे प्रभावों पर काबू डालने के लिए इसकी रोकथाम संबंधी किए जाने वाले यत्नों को और तेज़ किया जाए। उन्होंने युवाओं को नशे के बुरे प्रभावों से अवगत करवाने के लिए जागरूकता अभियान की महत्ता पर भी दिया। इस दौरान सबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जरूरतमन्द बच्चों को स्पांसरशिप के चैक बांटे

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

ज़िला सामाजिक सुरक्षा और स्त्री एंव बाल विकास विभाग ने गुरूवार को ज़िला स्तरीय स्पांसरशिप दिवस संबंधी करवाए गए प्रोग्राम में डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने बेसहारा और ज़रूरतमन्द बच्चों को मिशन वातसल्या स्कीम के अंतर्गत स्पांसरशिप के चैक बांटे गए। इस योजना के अंतर्गत 48 लाभपात्रियों को प्रति महीना 4000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिसके लिए कुल 23 लाख 4 हज़ार रुपए की राशि जारी की गई। ज़िला प्रशासकीय कंपलैक्स में करवाए गए एक सादा समागम दौरान डिप्टी कमिश्नर ने बच्चों को संबोधित करते उनको ज़िंदगी में सफलता हासिल करने के लिए सख़्त मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। डा. अग्रवाल ने बताया कि इस स्कीम के अंतर्गत 0 से 18 साल तक के ऐसे बच्चे, जिनके माता- पिता की मौत हो गई हो या माता- पिता जानलेवा बीमारी का शिकार हों या वित्तीय एंव शारीरिक तौर पर बच्चों की देखभाल करने में असमर्थ हो या माता विधवा/ तलाकशुदा हो या बच्चे को परिवार ने बेसहारा छोड़ दिया हो या वह किसी रिश्तेदार के पास रहता हो, लाभ प्राप्त कर सकते है। उन्होंने आगे बताया कि जस्टिस जुवेनाईल एक्ट 2015 अनुसार बेघर, प्राकृतिक आपदा के शिकार, बाल मज़दूरी, बाल विवाह के शिकार, तस्करी के साथ प्रभावित, दिव्यांग बच्चे या ऐसे बच्चे जो सड़क पर रहते हो, दुर्व्यवहार या शोषण का शिकार, एच.आई.वी. / एडज़ के साथ प्रभावित या पी.एम. केयरज़ स्कीम के अंतर्गत कवर बच्चे इस स्कीम अधीन वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते है।

जालंधर में ब्लाक स्तरीय खेल मुकाबले 3 सितम्बर से

खेडां वतन पंजाब दीयां- 2024

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

युवाओं को खेलों से जोड़ने के मंतव्य अधीन मुख्य मंत्री श्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा करवाई जा रही 'खेडां वतन पंजाब दीयां- 2024' के अंतर्गत ज़िला जालंधर में ब्लाक स्तरीय मुकाबले 3 सितम्बर से करवाए जाएंगे, जिनमें करीब 12 हज़ार खिलाड़ी भाग लेंगे। डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने आज राष्ट्रीय खेल दिवस और संगरूर में 'खेडां वतन पंजाब दीया- 2024 की शुरुआत के लिए ज़िले के खिलाड़ियों को मुबारकबाद देते उनको नए समाज की सृजना करने के लिए खेलों के साथ जुड़ने व अधिक से अधिक भाग लेने का न्योता दिया।

डा. अग्रवाल ने कि बताया कि ज़िले में ब्लाक स्तरीय खेल मुकाबले करवाने के लिए सभी तैयारियाँ पूरी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि ब्लाक स्तरीय खेल मुकाबले 2 फेज़ में करवाए जाएंगे। पहले फेज के खेल मुकाबले 3 से 6 सितम्बर तक और दूसरे फेज के खेल मुकाबले 9 से 12 सितम्बर तक होंगे। उन्होंने बताया कि ब्लाक स्तर पर ऐथलैटिकस, फ़ुटबाल, वालीबाल, खो- खो, कबड्डी नैशनल स्टाइल और सर्कल के मुकाबले करवाए जाएंगे, जिसके लिए पहले ही स्थान निर्धारित किए जा चुके है।

लुधियाना उड़ान भरने के लिए तैयार

एयर इंडिया हलवारा हवाई अड्डे से परिचालन शुरू करेगी

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

एयर इंडिया ने हलवारा हवाई अड्डे से उड़ान परिचालन शुरू करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जो पूरे मालवा क्षेत्र की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करेगा। यह उपलब्धि सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा के अथक प्रयासों से हासिल हुई है, जिन्होंने लुधियाना को विश्व मानचित्र पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल अंडरटेकिंग्स (सीआईसीयू) के अध्यक्ष उपकार सिंह द्वारा एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मनीष पुरी (सेल्स हेड इंडिया), कार्तिकेय भट्ट (एवीपी नेटवर्क प्लानिंग) और गौरव खन्ना (टेरिटरी मैनेजर) वाली टीम एयर इंडिया ने लुधियाना की मार्किट क्षमता का आकलन किया।

सांसद संजीव अरोड़ा ने लुधियानावासियों के लिए लंबे समय से चल रही मांग की पूर्ति की क्योंकि हलवारा हवाई अड्डा अब जल्द ही चालू हो गया है और लुधियाना में कनेक्टिविटी का एक नया युग शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने विभिन्न विभागों के साथ लगातार प्रयास किए हैं और एयरलाइनों के साथ भी संपर्क में हैं, जिनमें से एयर इंडिया पहले से ही उड़ानें शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है और अन्य एयरलाइनों ने भी अपनी रुचि दिखाई है।

मुख्यमंत्री कार्यालय में धूल फांक रही कृषि नीति का मसौदा: बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर नई कृषि नीति को हरी झंडी देने में विफल रहने के लिए तीखा हमला बोला। एक खबर का हवाला देते हुए बाजवा ने कहा कि नई कृषि नीति का मसौदा मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में अटकाए एक साल से अधिक समय हो गया है। हालांकि सीएम मान ने अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है, इस तथ्य के बावजूद कि उन्होंने राज्य में कृषि सुधार लाने की कसम खाई थी।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जनवरी 2023 में पंजाब के तत्कालीन कृषि मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने 11 सदस्यीय कमेटी का गठन कर 31 मार्च, 2023 तक कृषि नीति शुरू करने की घोषणा की थी। कृषि नीति का मसौदा अभी भी सीएम कार्यालय में धूल फांक रहा है। 11 सदस्यीय समिति में कृषि सचिव राहुल तिवारी, पंजाब राज्य किसान और खेत मजदूर आयोग के अध्यक्ष डॉ. सुखपाल सिंह,

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एसएस गोसल, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह और अर्थशास्त्री डॉ. सुच्चा सिंह गिल शामिल हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि कृषि नीति लागू होने का बेसब्री से इंतजार करने के बाद किसान संगठनों ने अब आंदोलन शुरू करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार किसानों को मुआवजा दिए बिना एनएचएआई परियोजना के लिए किसानों की भूमि जबरन अधिग्रहित करने का प्रयास कर रही है, जो बेहद निंदनीय है। बाजवा ने पूछा, सीएम मान उनकी जमीन का कब्जा लेने से पहले उन्हें उचित मुआवजा क्यों नहीं दे सकते?

परनीत कौर ने राजपुरा में औद्योगिक स्मार्ट सिटी स्थापित करने के फैसले का किया स्वागत

• **जालंधर ब्रीज.** पटियाला

वरिष्ठ भाजपा नेता और पटियाला से पूर्व सांसद परनीत कौर ने वीरवार को राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारे के तहत राजपुरा को विश्व स्तरीय 12वीं ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना के रूप में चुनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मैंने लगातार सरकार के समक्ष यह मांग उठाई थी और मैं आभारी हूं कि हमारी केंद्र सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया है। राजपुरा को औद्योगिक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए 1,367 करोड़ रुपये की आर्थिक मंजूरी से राजपुरा गतिविधियों का एक संपन्न केंद्र बन जाएगा और इलाके के 64,000 से अधिक लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

जिंपा ने गांव महिलांवाली स्टेडियम के नवीनीकरण कार्य की करवाई शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

कैबिनेट मंत्री पंजाब ब्रम शंकर जिंपा ने गुरुवार को होशियारपुर के गांव महिलांवाली में स्थित स्टेडियम के नवीनीकरण कार्य की विधिवत शुरुआत की। इस नवीनीकरण के अंतर्गत स्टेडियम को खेल पार्क के तौर पर विकसित किया जाएगा, जिसमें फुटबॉल ग्राउंड के साथ-साथ बैडमिंटन, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल के भी कोर्ट तैयार किए जा रहे हैं। इस परियोजना पर 17 लाख रुपए की लागत आएगी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि स्टेडियम में सैर के लिए ट्रैक भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है और इस दिशा में यह नवीनीकरण कार्य एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का भी धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की गति तेज हुई है।

जिंपा ने इस अवसर पर कहा कि पंजाब सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। हमारी सरकार का उद्देश्य है कि हर वर्ग और क्षेत्र को समान रूप से लाभ मिले और यह स्टेडियम नवीनीकरण इसका एक उदाहरण है। उन्होंने स्थानीय लोगों से इस स्टेडियम का सही उपयोग करने की अपील की और कहा कि सरकार की योजना है कि राज्य के हर गांव और कस्बे में खेल सुविधाओं का विस्तार किया जाए, ताकि युवा पीढ़ी को खेलों में करियर बनाने का बेहतर मौका मिल सके।

पंजाब सरकार द्वारा 10 सी.डी.पी.ओ को डी.पी.ओज के रूप में पदोन्नति: डॉ. बलजीत कौर

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार जहां सभी वर्गों की भलाई के लिए कार्यशील है, वहीं कर्मचारियों की भलाई और उन्हें समय पर पदोन्नति देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी के तहत, सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास विभाग के 10 जिला कार्यक्रम अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है।

सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने सी.डी.पी.ओजकी लंबे समय से चली आ रही पदोन्नति की मांग को पूरा कर दिया है। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास विभाग के 10 बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सी.डी.पी.ओज) को जिला कार्यक्रम अधिकारियों (डी.पी.ओज) के के तौर पर पदोन्नति दी गई है।

1158 सहायक प्रोफेसर यूनियन की एजी के साथ हुई बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने गुरुवार को यहां 1158 सहायक प्रोफेसर यूनियन के नेताओं सहित पंजाब के महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) के साथ मुलाकात की गई और इस दौरान उन्होंने यूनियन नेताओं को भरोसा दिलाया कि 1158 सहायक प्रोफेसरों की भर्ती संबंधी हाई कोर्ट में विचाराधीन मामले की पैरवी जोरदार ढंग से की जाएगी। यह बैठक उच्च शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस द्वारा 1158 सहायक प्रोफेसर यूनियन की ओर से हाईकोर्ट में भर्ती संबंधी चल रहे केस के बारे में पंजाब सरकार के स्टैंड को लेकर प्रकट की जा रही शंकाओं को दूर करने के लिए आज यहां महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह के साथ यूनियन नेताओं की बैठक करवाई गई । इस दौरान यूनियन नेताओं ने अपनी सभी चिंताओं से अवगत करवाया।

शिक्षा मंत्री और महाधिवक्ता ने यूनियन नेताओं को भरोसा दिलाया कि इस मामले संबंधी पंजाब सरकार की ओर से हाई कोर्ट में जोरदार ढंग से पैरवी की जाएगी। इस मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर, 2024 को है।

सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई सचिव के रूप में जय शाह के कामकाज की प्रशंसा की

स्पोर्ट्स डेस्क. दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष जय शाह की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव के रूप में पुरुष और महिला क्रिकेट को सामान प्राथमिकता देने के उनके प्रयासों के कारण भारतीय बोर्ड अन्य संचालन संस्थाओं से काफी आगे निकल गया। शाह ने अक्टूबर 2019 में बीसीसीआई का पद संभाला था। वह पांच साल तक इस पद पर रहे जिसे अब उन्हें छोड़ना पड़ेगा। वह एक दिसंबर को आईसीसी में अपना पद संभालेंगे।

तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा है कि उत्साही होना और क्रिकेट के लिए कुछ अच्छा करने की भावना रखना एक क्रिकेट प्रशासक के लिए आवश्यक गुण हैं। जय शाह ने बीसीसीआई

सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इन गुणों का अच्छी तरह से उपयोग किया। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट और पुरुष क्रिकेट दोनों को प्राथमिकता देने की दिशा में उनके प्रयासों ने बीसीसीआई को अग्रणी बना दिया है जिसका अन्य बोर्ड भी अनुसरण कर सकते हैं। मैं उन्हें अपनी अगली पारी के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह सबसे कम उम्र में आईसीसी के अध्यक्ष बने हैं। शाह आईसीसी के प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय होंगे और तेंदुलकर को उम्मीद है कि वह इस विरासत को आगे ले जाने में सफल रहेंगे। तेंदुलकर ने कहा कि भारत के कई खेल प्रशासकों ने इससे पहले भी आईसीसी का नेतृत्व किया है। इनमें जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर शामिल हैं। मुझे यकीन है कि वह उनकी विरासत को आगे बढ़ाएंगे और क्रिकेट के खेल को आगे ले जाने में सफल रहेंगे।

शाह के कार्यकाल के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष रहे पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नई भूमिका के लिए जय शाह को बधाई और अगली पारी के लिए शुभकामनाएं।

पीयू छात्रसंघ चुनाव : सीवाईएसएस के उम्मीदवार प्रिंस ने भरा नामांकन

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) की छात्र इकाई छात्र युवा संघर्ष समिति (सीवाईएसएस) के उम्मीदवार प्रिंस चौधरी ने वीरवार को अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा। नामांकन के दौरान सीवाईएसएस के कई छात्र नेता और संगठन से जुड़े सैकड़ों छात्र मौजूद थे। प्रिंस चौधरी पंजाब यूनिवर्सिटी कैंपस के कानून विभाग के छात्र हैं। वह एलएलएम की पढ़ाई कर रहे हैं।

छात्र संघ चुनाव के मध्य नजर सीवाईएसएस ने अपने संगठन का भी विस्तार किया है। अमृतपाल सिंह ढिल्लों को प्रेसिडेंट, रजत कंबोज को चेयरमैन, आर्यन कंबोज को पार्टी प्रेसिडेंट, दिपांशु को पार्टी चेयरमैन, ऋतविज चौबे को वाइस प्रेसिडेंट, विशाल को वाइस चेयरमैन, उदयवीर धालीवाल को ऑल कॉलेज प्रेसिडेंट, वतनवीर सिंह को वर्किंग प्रेसिडेंट, प्रभनूर को पार्टी इंचार्ज और कंवलप्रीत जज को चीफ पेट्रोन नियुक्त किया गया है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.